

	<p>छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के खरसिया तहसील के राजघट्टा गांव में स्थित प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एकीकृत इस्पात संयंत्र के लिए पर्यावरणीय प्रभाव आकलन</p>
	कार्यकारी सारांश

## कार्यकारी सारांश

### परिचय

स्टील उद्योग भारत के आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है, जो प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह के रोजगार के अवसरों को उत्पन्न करने में एक आवश्यक भूमिका निभा रहा है।

राष्ट्रीय इस्पात नीति ने घरेलू मांग को दूर करने और देश की आर्थिक समृद्धि में योगदान करने के लिए इस क्षेत्र को मजबूत करने पर ध्यान देने के साथ, 2030-31 तक 300 मिलियन टन स्टील उत्पादन प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है। घरेलू खपत और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं द्वारा संचालित वार्षिक वृद्धि के साथ, स्टील की मांग कम से मध्यम अवधि में लगातार बढ़ने की उम्मीद है।

मेस्सर्स इंड्रमणि मिनरल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने राष्ट्रीय इस्पात नीति में उल्लिखित लक्ष्यों की उपलब्धि में योगदान करते हुए उत्पादन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक एकीकृत स्टील प्लांट स्थापित करने की पहल की है। यह परियोजना न केवल मांग-आपूर्ति के अंतर को पाटेगी बल्कि रोजगार प्रदान करके और बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा देकर आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देगी।

प्रोजेक्ट प्रस्तावक मेस्सर्स इंड्रमणि मिनरल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने व्यवसाय में विविधता लाने के लिए एक भविष्य के दृष्टिकोण के साथ, छत्तीसगढ़ में रायगढ़ जिले के राजघट्टा गांव, खरसिया तहसील में एक एकीकृत स्टील प्लांट स्थापित करने के लिए परिकल्पना की है।

### परियोजना विवरण

प्रस्तावित परियोजना 3 (ए)-मेटलर्जिकल इंडस्ट्रीज (श्रेणी ए) के तहत आती है और इसके लिए पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ और सीसी) से पूर्व पर्यावरणीय मंजूरी (ईसी) की आवश्यकता होती है।

प्रस्तावित परियोजना में लौह अयस्क पीस और परिष्करण संयंत्र, पेलेट प्लांट, पेलेट प्लांट के लिए कोयला गैसीफायर, स्पंज आयरन प्लांट, फेरो मिश्र धातु संयंत्र, इस्पात पिघलने की दुकान (एसएमएस), रोलिंग मिल्स और कैप्टिव पावर प्लांट की स्थापना शामिल है।

	<p>छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के खरसिया तहसील के राजघट्टा गांव में स्थित प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एकीकृत इस्पात संयंत्र के लिए पर्यावरणीय प्रभाव आकलन</p> <p style="text-align: right;">कार्यकारी सारांश</p>
---	---

## संक्रिया का आकार या परिमाण

क्रमांक	सुविधाएं	क्षमता
1	लौह अयस्क बेनेफिसिएशन प्लांट	30,00,000 टीपीए
2	स्पंज आयरन प्लांट	6,00,000 टीपीए
3	लौह अयस्क पेलेटाइजेशन प्लांट	16,00,000 टीपीए
4	इंडक्शन फर्नेस/ एस एम एस	3,80,000 टीपीए
5	रोलिंग मिल	3,80,000 टीपीए
6	ऑक्सीजन प्लांट (100 टीपीडी का)	छोड़ा गया आवश्यक नहीं
7	फेरो अलॉयज प्लांट	66,000 टीपीए
8	कैप्टिव पावर प्लांट (डब्ल्यूएचआरबी 48 मेगावाट और एफबीसी 24 मेगावाट)	72 मेगावाट

प्रस्तावित संयंत्र उन्नत प्रक्रिया प्रौद्योगिकी पर आधारित है और यह सबसे कुशल सहायक उप-प्रणालियों, प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों के साथ सामग्री हैंडलिंग सुविधाओं से लैस है।

## परियोजना स्थान

प्रस्तावित गतिविधि छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के खरसिया तहसील के राजघट्टा गांव में की जाएगी। संयंत्र के भौगोलिक सह-अधिकरण 210.00 2.46 'एन टू 220 00' 31.33 'एन' और 'देशन्तर: 83.90 9.55 'ई' से 83.00 10.0 '8.35' तक हैं।

## संसाधन की आवश्यकता

प्रस्तावित परियोजना की पूंजीगत लागत लगभग एक करोड़ रुपये है। 1100 करोड़

## जमीन की जरूरत

प्रस्तावित इस्पात संयंत्र की कुल भूमि आवश्यकता 81.746 हेक्टेयर (202 एकड़) है। परियोजना की परिकल्पना 60.9 हेक्टेयर (150.5 एकड़) पर की गई है और शेष 20.8 हेक्टेयर (51.5 एकड़) भविष्य के उपयोग के लिए खाली छोड़ दिया गया है।

	<p>छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के खरसिया तहसील के राजधट्टा गांव में स्थित प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एकीकृत इस्पात संयंत्र के लिए पर्यावरणीय प्रभाव आकलन</p>
	कार्यकारी सारांश

### पानी की जरूरत

प्रस्तावित परियोजना के लिए अनुमानित जल की आवश्यकता 5,510 केएलडी है, जिसमें से 4975 केएलडी ताजा पानी है और शेष 535 केएलडी को अपशिष्ट जल का पुनर्चक्रण किया जाता है।

### बिजली की जरूरत

प्रस्तावित संयंत्र की अनुमानित बिजली की आवश्यकता लगभग 75.2 मेगावाट होगी। प्रस्तावित संयंत्र के लिए बिजली की आवश्यकता को पूरा करने के लिए डब्ल्यूएचओआरबी की 3x 16 मेगावाट क्षमता के कैप्टिव पावर प्लांट (सीपीपी) और 1x 24 मेगावाट एफबीसी की परिकल्पना की गई है। सीपीपी के अलावा, इंप्लांट ने छत्तीसगढ़ राज्य बिजली बोर्ड से 3.2 मेगावाट की स्टैंडबाय बिजली के स्रोत का प्रस्ताव किया है ताकि संयंत्र बंद होने की स्थिति में उपयोगिताओं को चलाया जा सके।

### जनशक्ति की आवश्यकता

प्रस्तावित संयंत्र परिचालन चरण के दौरान कंपनी के प्रत्यक्ष रोजगार के तहत 750 रोजगार सृजित करेगा। निर्माण चरण के दौरान 100-200 रोजगार सृजित होंगे। प्रत्यक्ष रोजगार के अतिरिक्त लगभग 5000 व्यक्तियों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।

### कच्चे माल की आवश्यकता

छत्तीसगढ़ में प्रमुख कच्चे माल उपलब्ध हैं। 100 किलोमीटर के दायरे में

#### संक्षिप्त प्रक्रिया विवरण

**लौह अयस्क परिष्करण:** परिष्करण वह प्रक्रिया है जहां अयस्क का आकार घट जाता है और वह अयस्क से अलग हो जाता है।

**पैलेटाइजेशन प्लांट:** लौह अयस्क के लिए शुद्धिकरण संयंत्र से प्राप्त जुर्माने को पैलेट में जमा किया जाता है और फिर लौह अयस्क पैलेट बनाने के लिए भट्टी का उपयोग करके असंतृप्त किया जाता है। इन्हें इस्पात बनाने की प्रक्रिया के हिस्से के रूप में डीआरआई के पौधे से खिलाया जाता है।

**डायरेक्ट रिड आयरन (डीआरआई):** डीआरआई को स्पंज आयरन (sponge iron) भी कहा जाता है, जो कोयले से उत्पादित गैस या तत्व कार्बन को कम करके लौह अयस्क (प्लंप्स, पैलेट, या जुर्माने के रूप में) को लौह में बदल देता है।

**इस्पात पिघलने की दुकान (एसएमएस) :** इस्पात पिघलने की इकाई (एसएमएस) में शुद्ध तरल इस्पात बनाने के लिए पिघलने वाले स्क्रैप और फ्लक्स के साथ स्पंज आयरन को पिघलाया जाएगा और फिर इसे आवश्यक आकार के बिलेट में ढाल दिया जाएगा।

	<p>छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के खरसिया तहसील के राजघट्टा गांव में स्थित प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एकीकृत इस्पात संयंत्र के लिए पर्यावरणीय प्रभाव आकलन</p> <p style="text-align: right;">कार्यकारी सारांश</p>
---	---

**रोलिंग मिल:** इस प्रक्रिया में एक रिहिटिंग फर्नेस में स्टील बिलेट को गर्म करना और उन्हें रोलिंग स्टैंड के एक अनुक्रम के माध्यम से रोलिंग करना शामिल है, जो बिलेट को मजबूत बार के अंतिम आकार और आकार में उत्तरोत्तर कम करता है।

**वेस्ट हीट रिकवरी पावर जनरेशन:** वेस्ट हीट रिकवरी बॉयलर रूट के माध्यम से स्पंज आयरन के उत्पादन के दौरान स्पंज आयरन के उत्पादन के दौरान दो रोटरी कीलनों के निकास से निकलने वाली अपशिष्ट गर्मी के उपयोग से 48 मेगावाट बिजली उत्पन्न करने की योजना बनाई है।

### प्रत्याशित पर्यावरणीय प्रभाव और शमन उपाय

प्रस्तावित परियोजना के लिए बेसलाइन डेटा मानसून के बाद के सीजन यानी अक्टूबर से दिसंबर 2023 के दौरान एकत्र किया गया है।

प्रदूषण के स्रोत और इसके शमन उपायों

प्रस्तावित परियोजना से विभिन्न प्रकार के प्रदूषण को निम्नलिखित प्रकार से वर्गीकृत किया गया है:

- वायु प्रदूषण;
- जल प्रदूषण,
- ठोस कचरे के कारण होने वाला प्रदूषण; और
- ध्वनि प्रदूषण
- परिचालन चरण के दौरान प्रभाव आकलन के उद्देश्य से निम्नलिखित घटकों पर अलग से विचार किया गया है।
- भूमि उपयोग,
- भौगोलिक और जलवायु;
- वायु गुणवत्ता,
- यातायात,
- जल संसाधन और गुणवत्ता
- शोर का स्तर,
- पारिस्थितिकी, और
- ठोस कचरा प्रबंधन; और

	<p>छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के खरसिया तहसील के राजघट्टा गांव में स्थित प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एकीकृत इस्पात संयंत्र के लिए पर्यावरणीय प्रभाव आकलन</p> <p style="text-align: right;">कार्यकारी सारांश</p>
---	---

- सामाजिक-आर्थिक पहलू

## मौसम

परियोजना स्थल के पास तीन महीने (अक्टूबर से दिसंबर 2023 तक) के लिए एक स्वचालित मौसम स्टेशन (एडब्ल्यूएस) स्थापित किया गया था। परियोजना स्थल के लिए प्राथमिक और द्वितीयक दोनों प्रकार के मौसम संबंधी आंकड़े नीचे तालिका में दिए गए हैं।

### परियोजना स्थल के सारणी-सारित मौसम

#### विज्ञान डेटा

महीने	तापमान. (°C)		आरएच (%)		प्रमुख हवा की दिशा आ रही है	
	P प्राथमिक डेटा	S माध्यमिक डेटा	P प्राथमिक डेटा	S माध्यमिक डेटा	P प्राथमिक डेटा	S प्राथमिक डेटा
पोस्टमानसूनसीजन (अक्टूबरदिसंबर,2023)	9.4 33.9	9.9 34.7	50-75	51-73	उत्तर पूर्व, उत्तर पश्चिम, दक्षिण पूर्व	उत्तर पूर्व, उत्तर पश्चिम, दक्षिण पूर्व

P : प्राथमिक डेटा, S : माध्यमिक डेटा

#### भूमि उपयोग

उपग्रह चित्र के अनुसार वन भूमि 2.81 प्रतिशत, कृषि भूमि लगभग 36.79 प्रतिशत है और शेष भूमि या तो खेती के लिए उपलब्ध क्षेत्र है या कृषि योग्य बंजर भूमि 60.4 प्रतिशत है।

#### भूमि उपयोग और मिट्टी की गुणवत्ता पर प्रभाव

प्रस्तावित इस्पात संयंत्र की ऊंचाई 229-230 मीटर है। प्रस्तावित इकाइयों की स्थापना के लिए लगभग 500 मीटर मिट्टी की खुदाई की जाएगी, जिसका उपयोग संयंत्र परिसर के भीतर किया जाएगा। जिन क्षेत्रों में नई इकाइयां स्थापित की जाएंगी, वे खाली क्षेत्र हैं जिन्हें निर्धारित किया गया है। आईएमआईपीएल की प्रस्तावित इकाइयों के स्थान के कारण, अध्ययन क्षेत्र के भूमि उपयोग पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा।

#### स्थलाकृति और जलवायु

परियोजना स्थल की स्थलाकृति कुछ स्थानों पर मौजूद पेड़ों / झाड़ियों के साथ (229 मीटर -239 मीटर एएमएसएल) थोड़ी नीचे है। प्रस्तावित परियोजना के लिए ज्यादा कटिंग और फिलिंग की



छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के खरसिया तहसील के राजघट्टा गांव में स्थित प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एकीकृत

इस्पात संयंत्र के लिए पर्यावरणीय प्रभाव आकलन

कार्यकारी सारांश

आवश्यकता नहीं होगी। औद्योगिक भवन, ढेर, अपशिष्ट निपटान सुविधाएं आदि जैसी अतिरिक्त संरचनाएं बनेंगे। साइट की सामान्य उपस्थिति एक औद्योगिक सेट-अप में बदल जाएगी। भरने की आवश्यकताओं को केवल आंतरिक कटिंग के माध्यम से पूरा किया जाएगा। किसी भी बाहरी उधार क्षेत्र की आवश्यकता नहीं होगी। जमीनी स्तर को आवश्यक प्लिंथ स्तर पर रखा जाएगा। यह परियोजना स्थल पर स्थायी बदलाव होगा। स्टैक से निकलने वाले तापमान को 50 डिग्री सेल्सियस से 200 डिग्री सेल्सियस तक बनाए रखा जाएगा। प्रदूषण नियंत्रण उपायों को लागू करके प्रभाव स्थानीयकृत किया जाएगा। तापमान में वृद्धि के किसी भी मैक्रो-क्लाइमेटिक प्रतिकूल प्रभाव की संभावना नहीं है।

इसके अलावा, परियोजना स्थल में प्रस्तावित व्यापक हरित पट्टी का परियोजना स्थल में गर्मी की स्थिति पर मामूली प्रभाव पड़ेगा।

### **परिवेशी वायु गुणवत्ता**

पीएम10 के लिए न्यूनतम और अधिकतम सांद्रता  $31.0 \text{ } \mu\text{g}/\text{m}^3$  और  $68.5 \text{ } \mu\text{g}/\text{m}^3$  के रूप में दर्ज की गई थी। पीएम2.5 के लिए न्यूनतम और अधिकतम सांद्रता को  $15.6 \text{ } \mu\text{g}/\text{m}^3$  और  $32.5 \text{ } \mu\text{g}/\text{m}^3$  के रूप में दर्ज किया गया था। न्यूनतम और अधिकतम एसओ2 सांद्रता  $9.4$  के रूप में दर्ज की गई थी। न्यूनतम और अधिकतम no2 सांद्रता  $11.7 \text{ } \mu\text{g}/\text{m}^3$  और  $20.8 \text{ } \mu\text{g}/\text{m}^3$  के रूप में दर्ज की गई थी। कम से कम और अधिकतम co सांद्रता  $188$  के रूप में दर्ज की गई थी -  $\text{m}^3$  और  $340 \text{ } ^\circ\text{C}/\text{m}^3$ .

औद्योगिक और ग्रामीण/आवासीय क्षेत्र के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा निर्धारित एनएएक्यू मानकों के तहत पीएम2.5, पीएम2, एसओ 2, ओ 3, सीओ, एनएच3, पीबी, बीए और सी6एच6 की सांद्रता अच्छी तरह देखी गई है।

### **पानी की गुणवत्ता**

#### **सतही जल गुणवत्ता**

पानी के नमूनों के विश्लेषण के परिणामों से पता चलता है कि पीएच मूल्य  $7.18-7.32$  पाया गया था। पानी के नमूनों की विद्युत चालकता  $160 - 220 \text{ } \mu\text{s}/\text{cm}$  पाइ गई थी। कुल घुले हुए ठोस पदार्थ लगभग  $101 - 137$  मिलीग्राम/लीटर पाए गए थे। कुल कठोरता  $60.1 - 73.4$  मिलीग्राम / लीटर की सीमा में देखी गई। सल्फेट  $10.6-13.2$  मिलीग्राम/लीटर की रेज में पाए गए और नाइट्रेट्स  $0.9-1.2$  मिलीग्राम/लीटर की रेज में पाए गए। फ्लोराइड सांद्रता  $0.4-0.7$  मिलीग्राम/लीटर पाइ गई।

#### **भूजल स्तर**

भूजल नमूनों के विश्लेषण के परिणामों ने पीएच को  $6.79-7.64$  प्रतिशत की रेज में दिखाया, नमूनों का रंग 1-4 हाजेन के बीच था, जबकि निर्धारित सीमा 5 से 15 हसेन के बीच थी।

	<p>छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के खरसिया तहसील के राजघटा गांव में स्थित प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एकीकृत इस्पात संयंत्र के लिए पर्यावरणीय प्रभाव आकलन</p> <p style="text-align: right;">कार्यकारी सारांश</p>
---	---

नमूनों की विद्युत चालकता 674-1431  $\mu\text{s}/\text{cm}$  थी। नमूने के कुल घुले हुए ठोस पदार्थ 420.1-891.7 मिलीग्राम/लीटर के हैं। कैल्शियम की सांद्रता 48.7- 102.9 मिलीग्राम/लीटर से होती है। मैग्नीशियम सांद्रता 24.6- 56.3 मिलीग्राम/लीटर से होती है। नमूनों की कुल कठोरता 223.0- 461.8 मिलीग्राम/लीटर थी। सभी स्थानों पर क्लोराइड की सांद्रता 93.4 - 201.2 मिलीग्राम/लीटर है।

### जल संसाधनों पर असर

- प्रस्तावित परियोजना के लिए अनुमानित जल की आवश्यकता 5,510 केएलडी है, जिसमें से 4975 केएलडी ताजा पानी है और शेष 535 केएलडी को अपशिष्ट जल का पुनर्चक्रण किया जाता है। संयंत्र में उत्पन्न अपशिष्ट जल का उपचार किया जाता है और इसके द्वारा उसका पुनः उपयोग किया जाता है। पानी की आवश्यकता का स्रोत मंद नदी है

### सतही जल संसाधनों पर प्रभाव

संयंत्र की विभिन्न प्रक्रिया से उपयोग किया जाने वाला पानी मुख्य रूप से अप्रत्यक्ष शीतलन सर्किट से होता है जो सामान्य रूप से किसी भी प्रदूषक से दूषित नहीं होते हैं। प्रक्रिया से उत्पन्न अपशिष्ट जल का उपचार ईटीपी में किया जाता है और संयंत्र प्रक्रिया के लिए पुनः उपयोग किया जाता है। इसलिए सतही जल गुणवत्ता पर प्रभाव की परिकल्पना नहीं की गई है। दानथर नल्लाह साइट के भीतर से गुजर रहा है।

### भूजल संसाधनों पर प्रभाव

किसी भी भूमिगत पानी का उपयोग नहीं किया जाता है क्योंकि आवश्यक पानी संयंत्र से लगभग 1.5 किमी दूर मंद नदी से प्राप्त किया जाएगा। इसलिए भूजल पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

### शोर

प्रस्तावित संयंत्र से शोर उत्पादन के प्रमुख स्रोत निश्चित संयंत्र प्रतिष्ठान और बाह्य परिवहन आंदोलन हैं। निश्चित संयंत्र प्रतिष्ठानों से सामान्य शोर पैदा करने वाले स्रोत हैं ब्लास्ट फर्नेस, स्क्रीन, कंपन और वाहक। इनके अलावा, एक और शोर पैदा करने वाला स्रोत डीजी सेट है जो कभी-कभी उत्पन्न होता है।

प्रस्तावित परियोजना के लिए उच्च शोर वाले क्षेत्रों में काम करने वाले कामगारों को कान मफ/अर प्लग के रूप में पर्याप्त सुरक्षात्मक उपाय उपलब्ध कराए जाएंगे। उच्च शोर पैदा करने वाले स्रोतों के पास काम करने वाले कामगारों को सभी आवश्यक शोर सुरक्षा उपकरण प्रदान किए जाएंगे। अध्ययन क्षेत्र के भीतर दर्ज किए गए शोर के स्तर को सीपीसीबी द्वारा निर्धारित नैनक्यूएस के भीतर अच्छी तरह से देखा जाता है।



छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के खरसिया तहसील के राजघट्टा गांव में स्थित प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एकीकृत इस्पात संयंत्र के लिए पर्यावरणीय प्रभाव आकलन

कार्यकारी सारांश

## ठोस अपशिष्ट/खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन

प्रस्तावित संयंत्र परिसर से निकलने वाले प्रमुख ठोस कचरे में एसएमएस स्लैग, डॉलोचार, स्लरी, टीएआर, स्क्रैप, स्लॉज, लौह अयस्क अस्वीकृत और बिजली संयंत्र एवं डीआरआई संयंत्र से उत्पन्न राख शामिल हैं। सीमेंट उद्योग में ठोस अपशिष्ट लौह अयस्क की सिलाई और राख का पुनः उपयोग किया जाएगा। पेलेट प्लांट रिजेक्ट, मिल स्केल, एंड कटिंग और फेरो मिश्र धातु संयंत्र से स्लैग का संयंत्र/प्रक्रिया में पुनः उपयोग किया जाएगा।

### जैविक पर्यावरण

स्थलीय पारिस्थितिकी पर प्रभाव सो2, पीएम और no2 जैसे गैसीय प्रदूषकों के उत्सर्जन के कारण हो सकता है। हालांकि, अधिक मात्रा में, वे वनस्पति और जानवरों दोनों के लिए हानिकारक हो सकते हैं। परिचालन चरण के दौरान प्रदूषण कम करने वाली प्रौद्योगिकियों जैसे कि वायु और ध्वनि प्रदूषण में कमी के उपकरण का प्रभावी उपयोग बहुत मदद करेगा और संयंत्र के परिचालन चरण के दौरान प्रदूषण को कम करने में मदद करेगा और उचित वृक्षारोपण गतिविधि संयंत्र और इस क्षेत्र में निर्धारित ग्रीन बेल्ट विकास और बागवानी गतिविधियों के उद्देश्य के लिए मलजल का उपयोग करने में भी मदद करेगा।

### वनस्पति और जीव

वन्यजीव अभ्यारण्य या राष्ट्रीय उद्यान या जीवमंडल भंडार या वन्यजीव या रामसर आर्द्धभूमि के प्रवासी गलियारे नहीं हैं।

क्षेत्र के वनस्पति और जीव	
जनरल फ्लोरा	आक्रामक झाड़ियां (सियाम खरपतवार और लैंटाना), जड़ी-बूटियां (हाइपटिस सुवेलेन्स, मलचरा कैपिटा, अकंतस इलिसीफोलियस), घास (पेनीसेटम फूड्यूरियम) और एक वन पर्वतारोही (टर्मेलिया रोक्सबुर्गी) पूरे क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हैं।
लाइव स्टॉक	भैंस, गाय, बकरी, मुर्गी
अन्य जीव-जन्तु	स्लॉथ बीयर, मोर, पायथन और आम भारतीय निगरानी

परियोजना पट्टे की सीमा से 5 किलोमीटर के दायरे में कोई दुर्लभ या संकटग्रस्त या संकटग्रस्त या अनुसूची विज्ञापन नहीं है।

	<p>छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के खरसिया तहसील के राजघट्टा गांव में स्थित प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एकीकृत इस्पात संयंत्र के लिए पर्यावरणीय प्रभाव आकलन</p> <p style="text-align: right;">कार्यकारी सारांश</p>
---	---

### सामाजिक वातावरण

2011 की जनगणना के अनुसार खदान स्थल के 10 किलोमीटर के दायरे में जनसंख्या और जनसांख्यिकीय विवरण के लिए बेसलाइन डेटा नीचे दिया गया है।

जनसंख्या (%)	व्यावसायिक संरचना (%)	साक्षरता (%)
एससी 15.01	कर्मचारी 41.28	साक्षर 86.94
एसटी 23.48	गैर-कर्मचारी 58.72	अनपढ़ 13.06

### सामाजिक-आर्थिक वातावरण

इस परियोजना से अध्ययन क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक स्तर में सुधार होने की उम्मीद है।

- रोजगार की संभावना,
- व्यावसायिक अवसर में वृद्धि
- स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाओं में सुधार।
- बेहतर जीवन स्तर, और

उन्नत अवसंरचना सुविधाओं तक पहुंच।

एमओईएफ और सीसी कार्यालय जापन दिनांक 30.09.2020 के अनुसार, कॉर्पोरेट पर्यावरण जिम्मेदारी (सीईआर) अब लागू नहीं होगी। हालांकि, प्रस्तावक ने रु. आसपास के समुदाय में सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए 10 करोड़ रुपये। विवरण तालिका में दिए गए हैं।

### 3 सीएसआर गतिविधियां और बजट

क्रामक्रम संख्या	सेक्टर	बजट
1	स्वास्थ्य और स्वच्छता	5
2	शिक्षा	2.5
3	सामुदायिक विकास	2.5
कुल (रु. करोड़ों में		10



छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के खरसिया तहसील के राजघट्टा गांव में स्थित प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एकीकृत इस्पात संयंत्र के लिए पर्यावरणीय प्रभाव आकलन

कार्यकारी सारांश

## पर्यावरण निगरानी कार्यक्रम

परियोजना में स्थापित प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए परियोजना के बाद की पर्यावरणीय निगरानी महत्वपूर्ण है। पर्यावरणीय विशेषताओं का नमूना और विश्लेषण सीपीसीबी / राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एसपीसीबी) के दिशानिर्देशों के अनुसार होगा। एसपीसीबी के निर्देशों के अनुसार वायु, ध्वनि, सतही जल और भूजल नमूने की आवृत्ति और नमूने के स्थान का संचालन किया जाएगा।

इंद्रमणि मिनरल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में करीब एक करोड़ रुपये खर्च करने का प्रस्ताव है। लगभग 10.5 करोड़ रुपये की आवर्ती लागत के साथ पर्यावरण सुरक्षा उपायों की दिशा में। 1.45 करोड़ रु.

## ग्रीन बेल्ट

ग्रीनबेल्ट का विकास और रखरखाव 20.90 हेक्टेयर में किया जाएगा। संयंत्र परिसर के भीतर योजनाबद्ध क्षेत्र का 33 प्रतिशत। 1500/ हेक्टेयर की दर से पौधारोपण किया जाएगा।

## परियोजना लाभ

प्रस्तावित परियोजना से क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के साथ-साथ समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में सुधार होगा। परियोजना के कारण आस-पास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से लाभ होगा। यह अनुमान है कि परियोजना दो चरणों में स्थानीय लोगों को लाभ प्रदान करेगी। निर्माण चरण के दौरान और संयंत्र के परिचालन चरण के दौरान। प्रस्तावित परियोजना से अनुबंध के आधार पर काम करने वाले 750 लोगों के लिए रोजगार सृजित होंगे और इससे क्षेत्र में व्यापार, वाणिज्य, निर्माण और परिवहन तथा व्यापार के अवसरों में और अधिक लोग शामिल होंगे।

## निष्कर्ष

प्रस्तावित एकीकृत इस्पात संयंत्र का स्थानीय पर्यावरण पर कुछ नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। परियोजना के निष्पादन के कारण सभी संभावित प्रभावों की पहचान की गई है। इन उपायों को सकारात्मक प्रभावों को बढ़ाने और नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए पर्यावरण प्रबंधन योजना के माध्यम से लागू किया जाएगा। परियोजना प्रस्तावक ने लगभग रु. लगभग 10.5 करोड़ रुपये की आवर्ती लागत के साथ पर्यावरण सुरक्षा उपायों की दिशा में। 1.45 करोड़ रु. हालांकि, इस परियोजना के विकास का निर्माण चरण के दौरान और परियोजना के परिचालन चरण के दौरान प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्रदान करने के संदर्भ में कुछ लाभकारी प्रभाव/प्रभाव हैं। स्थानीय लोगों के लिए व्यापार के अवसरों में वृद्धि और स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाओं में सुधार।

इस प्रकार, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि प्रदूषण नियंत्रण और शमन उपायों के विवेकपूर्ण और उचित कार्यान्वयन के साथ, यह परियोजना समाज के लिए फायदेमंद होगी और मांग-आपूर्ति अंतर को कम करने में मदद करेगी और क्षेत्र विशेष रूप से और देश के आर्थिक विकास में योगदान देगी।